साप्ताहिक
# नर्मदा समय
Website: www.narmadasamay.com
Email: narmadasamay@gmail.com
Title Code:-MPHIN/36648
संपादक-प्रताप सिंह वर्मा
वर्षः 01, अंकः 29 | इटारसी, सोमवार 03 जुलाई से 09 जुलाई 2023 | पृष्ठ-04 | मूल्यः 05 रुपए

# भारतीय मानव अधिकार ट्रस्ट इटारसी इकाई का भव्य संस्थापन समारोह आयोजित हुआ

## मानव अधिकार के साथ-साथ जल संरक्षण के नेक कार्य को भी अपनाएं

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

**इटारसी।** भारतीय मानव अधिकार सेवा ट्रस्ट इटारसी जिला नर्मदापुरम इकाई का भव्य संस्थापन समारोह प्लेटिनम पैलेस इटारसी मे आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश स्तुति के साथ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक डॉ सीतासरन शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि इटारसी नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे गृह राज्य मंत्री विजय दुबे काकू भाई एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी के स्वागत के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के संस्थापक अधिकारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री रामेश्वर जाट ने भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के कार्यो बारे में जानकारी दी साथ ही शंकर सिंह पटेल प्रदेश मंत्री एवं श्याम यादव ने सभी से मानव अधिकार की लड़ाई लड़ने के लिए तत्परता से आगे आने का अवाहन किया।

मुख्य अतिथि विधायक सीतासरन शर्मा ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मानव अधिकार के कार्य जो भ्रष्टाचारी, रिश्वतखोरी, महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, बाल मजदूरी, बाल विवाह, श्रमिकों का शोषण से संबंधित अनेक कार्य उनके न्याय के लिए आप सभी को आवाज उठाना है। मुझसे जो भी मदद होगी मैं आपके लिए करूंगा। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने सभी सदस्यों से कहा कि आप मानव अधिकार के साथ-साथ जल संरक्षण के नेक कार्य को भी अपनाएं और लोगों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लगवाने के लिए जागरूक करें। एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी ने कहा कि मानव अधिकार से संबंधित जो भी शिकायतें एवं ज्ञापन प्राप्त होंगे उन्हें प्रमुखता के साथ निराकरण किया जाएगा। विजय दुबे काकूभाई ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इटारसी के अध्यक्ष डॉ रामेश्वर दयाल, डॉ अचलेश्वर दयाल के साथ विशेष रूप से उपस्थित थे। संभाग अध्यक्ष रश्मि अवस्थी ने भ्रष्टाचार से घोटालों एवं नारी सशक्तिकरण के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नीरजा फौजदार ने जिले के संगठन के कार्यो की समीक्षा की एवं मानव अधिकार जन जागरण के लिए लोगों को प्रेरित करने के कार्यो को बताया। नगर संरक्षक राधा दयाल ने मानव अधिकार के कार्यो का निर्वहन एवं अधिकारों की लड़ाई किस प्रकार से की जा सकती है के बारे में प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष श्रद्धा अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत वंदन करते हुए इटारसी क्षेत्र में मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट इकाई के गठन को अभूतपूर्व एवं समाज का रक्षक बताया। समारोह मैं अतिथियों द्वारा नवीन मनोनीत पदाधिकारियों को मंच पर मेडल, नियुक्ति पत्र एवं आईडेंटी कार्ड से सम्मानित किया गया।

मनोनीत होने वाले पदाधिकारियों मे नगर अध्यक्ष श्रद्धा अग्रवाल, नगर संरक्षक राधा दयाल, नगर प्रभारी मिनोती बनर्जी, नगर उपाध्यक्ष सुश्री रेनूका दीक्षित ओर अर्चना अग्रवाल, सचिव मीता चौरसिया, संगठन मंत्री माया कट्हल, संयोजक रेनू कोहली शामिल थी। कार्यक्रम में विशेष रूप से कल्पना शर्मा, सीमा रघुवंशी सुनीता अग्रवाल, डॉ शीतल दयाल,निधी चौरे, प्रतिभा, गायत्री अग्रवाल, उषा अग्रवाल, शारदा जैन, अनीता जैन, माया कटहल की गरिमामयी उपस्थित रही ।कार्यक्रम का संचालक रेनूका दीक्षित द्वारा शानदार संचालन किया गया।

# समर्पण ग्रुप ने शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय सूरजगंज के पार्क में किया स्वच्छता अभियान

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

**इटारसी।** दिनांक 2 जुलाई दिन रविवार को जब समर्पण ग्रुप के सदस्य शासकीय कन्या उ. मा. विद्यालय सूरजगंज के पार्क में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि यहां कचरे का अंबार लगा हुआ है। तुरंत ही सभी सदस्य सफाई अभियान में जुड़ गए और उन्होंने सफाई करते हुए एक ट्रॉली कचरा बाहर निकाला जिसे ट्रॉली में भरकर जिलवानी पहुंचाया गया ताकि इस कचरे से खाद बनाया जा सके। समर्पण ग्रुप इटारसी के सभी सदस्यों ने मिलकर शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय सूरजगंज के पार्क में किया स्वच्छता अभियान के अंतर्गत साफ सफाई की गई। समर्पण ग्रुप निरंतर प्रति रविवार इटारसी शहर एवं आसपास के क्षेत्रों के धार्मिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चला रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के विधायक प्रतिनिधि जसवीर छाबड़ा जी उपस्थित थे । उन्होंने भी समर्पण ग्रुप के साथ मिलकर सफाई कार्य किया और समर्पण ग्रुप के सभी सदस्यों को बधाई दी और कहा कि समर्पण ग्रुप के सभी सदस्य बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं आपके कार्यों से प्रेरणा लेकर इटारसी के अन्य लोग भी इस तरह के कार्य करें तो निश्चित ही इटारसी शहर स्वच्छता के लिए मध्य प्रदेश में जाना जाएगा। ग्रुप ने स्वच्छता की अपील के फ्लेक्स भी आसपास लगाएं । इससे बीमारियां फैलने का खतरा भी कम होगा। इसके साथ ही समर्पण ग्रुप के सदस्य आम नागरिकों से अपील कर रहे हैं कि वह पुरानी पुस्तकें हमें उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें जरूरतमंद छात्रों तक पहुंचाया जा सके। इस अवसर पर समर्पण ग्रुप के संस्थापक आशीष भदौरिया (मासाब), अध्यक्ष राजेश चौधरी, उपाध्यक्ष अंकित राठौर, सचिव गिरधारी चौरे, सह सचिव रोहित सनस, सह सचिव गुड्डू सराठे, कोषाध्यक्ष मुकेश पाल, अरविंद कसोटिया, मनोज बाऊसकर, जिज्ञास मौर्य, मोहनदास करारे , सतीश पटेल उपस्थित थे।

# प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने लिखा सीएमः प्रमुख सचिव को पत्र

## प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने की मांग

**भोपाल।** प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर निजी स्कूलों में पढने वाले विद्यार्थियों को भी ई-स्कूटी और अन्य सुविधाएं दिए जाने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रदेश के अध्यक्ष अजीत सिंह ने इसको लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान और स्कूल शिक्षा विभाग प्रमुख सचिव को पत्र लिखा है। अजीत सिंह ने अपने पत्र में कहा है कि इस साल शासन द्वारा कक्षा बारहवीं में सरकारी स्कूलों के शाला स्तर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ई-स्कूटी प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। जबकि निजी स्कूलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियो के लिए यह सुविधा नहीं दी जा रही है। सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को जेईई एवं नीट की परीक्षा में 5 प्रतिशत अंक अलग से प्रदान किए जा रहे हैं, जबकि निजी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा नहीं दी जा रही है। सिंह ने मांग की है कि निजी और सरकारी स्कूलों के बीच भेद भाव न किया जाए, इससे बच्चों के मानसिक पटल पर बुरा असर पड़ रहा है।

# न्यायालय परिसर में जिला अधिवक्ता संघ के तत्वाधान में पौधरोपण हुआ

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

**नर्मदापुरम।** जिला न्यायालय परिसर में शनिवार को जिला अधिवक्ता संघ नर्मदापुरम के तत्वाधान में पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। संघ सचिव मनोज जराठे ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीशचंद्र शर्मा एवं अन्य न्यायाधीश व अधिवक्तागणों ने आम, अशोक आदि के पौधे रौपकर सभी को अपने जीवनकाल में अधिक से अधिक पौधें लगाने का संदेश दिया। पौधरोपण कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश हितेन्द्र कुमार मिश्रा, प्रधान कुटुम्ब न्यायालय न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा, न्यायाधीश जफर इकबाल खान, अभिनव कुमार जैन, सिराज अली, श्रीमति आरती शुक्ला, श्रीमति रितु वर्मा कटारिया , शिवचरण पटेल, प्रियंका रतौनिया, श्रीमति रूचि पांडे, सुश्री मिताली वाणी, सुश्री राधिका गर्ग, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष केके थापक, सचिव मनोज जराठे, सहसचिव सुरेन्द्र सिंह राजपूत, कार्यकारणी सदस्य सीके कुरापा, वरिष्ट अधिवक्ता एसएस ठाकुर, व्हीके चौहान, जीआर सराठे, रामराज सिंह ठाकुर, प्रदीप चौबे, हरिशंकर यादव, बृजेश शर्मा, राजेश अग्रवाल, अजय तिवारी, नितीश गौर, अनिल गौर, राकेश शर्मा, राकेश बाथरे, शेखर रूसिया, राजेश मालवीय , जितेन्द्र गौर, भूपेन्द्र वर्मा व सौरभ तिवारी आदि मौजूद रहे।

## जिले में 1 जून से आज दिनांक तक 1198.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

**नर्मदापुरम।** जिले में 1 जून 2023 से आज 02 जुलाई 2023 को प्रातः 8.30 बजे तक 1198.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में 1468.7 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। दिनांक 01 जुलाई से 02 जुलाई को प्रातः 8.30 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 10.0 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 0.0, इटारसी में 12.4 माखननगर में 12.0, सोहागपुर में 2.2, पिपरिया में 0.0, बनखेड़ी में 4.8, पचमढ़ी में 3.8, एवं तहसील डोलरिया में 10.4 मिलीमीटर वर्षा हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया है कि 1 जून से 02 जुलाई 2023 को प्रात- 8.30 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 116.9 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 43.0, इटारसी में 41.2, माखननगर में 63.0, सोहागपुर में 105.4, पिपरिया में 272.6, बनखेड़ी में 237.7, पचमढ़ी में 267.8 एवं डोलरिया तहसील में 50.8 मिलीमीटर वर्षा हुई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में तहसील नर्मदापुरम में 220.6 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 113.0, इटारसी में 195.4, माखननगर में 218.0, सोहागपुर में 167.9 , पिपरिया में 104.8, बनखेड़ी में 76.8, पचमढ़ी में 252.0 एवं तहसील डोलरिया में 120.2 मिलीमीटर वर्षा हुई थी।

# मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 4 जुलाई को करेंगे मुख्यमंत्री सीखो- कमाओ योजना के पंजीयन की शुरुआत

नर्मदा समय, संवाददाता

**नर्मदापुरम।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने युवाओं को कौशल विकास के साथ ही लर्न एंड अर्न की तर्ज़ पर ऑन जॉब ट्रेनिंग की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की लागू की है। मुख्यमंत्री 4 जुलाई को इस योजना में युवा आवेदकों के पंजीयन की प्रक्रिया की शुरुआत करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान भोपाल के रवींद्र भवन में होने वाले कार्यक्रम में युवाओं से संवाद भी करेंगे।

मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश के युवाओं में कौशल विकास क्षमता को बढ़ा कर उन्हें रोज़गार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना का प्रभावी क्रियान्वयन शुरू किया है। इस योजना में युवाओं को उद्योगों के साथ सर्विस सेक्टर में कौशल प्रशिक्षण दिलाते हुए स्टाइपेंड की व्यवस्था की गई है। युवाओं को नवीनतम तकनीक और प्रक्रिया से व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रथम चरण में एक लाख युवाओं को रोज़गारोन्मुखी कौशल में प्रशिक्षित किए जाने का लक्ष्य है। आवश्यकतानुसार लक्ष्य को बढ़ाया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को 8 हज़ार से 10 हज़ार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड प्राप्त होगा। प्रशिक्षण के बाद निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अथवा फॉर्मेटिव एसेसमेंट के बाद मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार बोर्ड द्वारा स्टेट काउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। इसके लिए योजना से कंपनियों और सर्विस सेक्टर को जोड़ा गया है। योजना में देश एवं प्रदेश के ऐसे औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान पात्र होंगे, जिनके पास और पंजीयन है। अब तक लगभग 10 हज़ार 429 प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया जा चुका है। इनमें 23 अन्य राज्य के प्रतिष्ठान भी शामिल हैं। प्रतिष्ठानों द्वारा लगभग 34 हज़ार 690 वेकेन्सी(प्रशिक्षण की सीट) क्रिएट की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में 18 से 29 वर्ष आयु तक के मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी युवा पात्र हैं, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 12वीं, आईटीआई उत्तीर्ण या उससे उच्च है। चयनित युवा छात्र, प्रशिक्षणार्थी कहलाए जाएंगे। प्रत्येक कोर्स के लिए देय स्टाइपेंड का निर्धारण प्रावधानित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के आधार पर किया गया है। इसमें 12वीं या उससे कम कक्षा उत्तीर्ण युवाओं को 8 हज़ार रूपये प्रतिमाह, आईटीआई उत्तीर्ण को 8 हज़ार 500, डिप्लोमा उत्तीर्ण को 9 हज़ार तथा स्नातक उत्तीर्ण अथवा इससे उच्च शैक्षणिक योग्यता वाले प्रशिक्षणार्थी युवाओं को 10 हज़ार रूपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाएगा।

युवा, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना का पंजीयन पर निःशुल्क कर सकते हैं। पंजीयन के बाद संबंधित को लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड अथवा ई-मेल द्वारा प्राप्त होगा। पंजीयन के समय किसी समस्या का समाधान पोर्टल पर दिए गए हेल्प-डेस्क पर संपर्क कर किया जा सकता है।

## भाजपा का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए

# मुख्यमंत्री पद के लिए नया चेहरा कौन होगा या फिर भाजपा शिवराज पर फिर लगाएगी अपना दांव

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

**नर्मदापुरम।** आगामी विधानसभा चुनाव भाजपा को जीत के लिए आसान नहीं होगा। क्योंकि अब ना तो भाजपा की लहर है ना शिवराज सिंह की बोली का जादू। क्योंकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जहां भी जाते हैं कुछ ना कुछ घोषणा कर देते हैं और उन घोषणाओं पर आगे कोई भी अमल नहीं होने से उनकी घोषणाओ को जनता अच्छी तरह सब समझ चुकी है। हाल में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भोपाल आगमन पर उनके साथ ज्योतिरादित्य सिंधिया भी दिल्ली गये। जिससे यह संकेत लग रहे हैं कि प्रदेश की राजनीति में कुछ बदलाव हो सकता है। जिस तरह एक के बाद एक घोटाले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की नेतृत्व वाली सरकार में हुए है, उससे भाजपा की छवि बिगड़ी है। शिवराज सिंह चौहान ने चुनाव के पहले लाडली बहना योजना लाकर चुनावी गणित अपने पक्ष में करने का प्रयास तो किया है लेकिन यह दाँव कहां तक सार्थक होगा यह चुनाव के बाद ही पता चलेगा । वहीं पिछली बार विधान सभा जीतकर प्रदेश में आई कांग्रेस की सरकार अपने ही 20 विधायकों के कारण ही सत्ता से हाथ गवां बैठी। इस बार कांग्रेस सत्ता में आने के लिए कोई गलती नहीं करेंगी। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की छवि साफ-सुथरी है, जिसका फायदा इस वर्ष होने जा रहे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिल सकता है ।

## आदर्श महिला क्लब एवं मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने पौधे भेट कियें

नर्मदापुरम। रविवार दिनांक 2 जुलाई को आदर्श महिला क्लब एवं मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट नर्मदापुरम की शाखा ने वन महोत्सव के चलते पौधे भेट किये, ताकि बारिश में पौधे लग सकें। अध्यक्ष नीरजा फौजदार ने बताया कि हम पौधे लगाते भी है भेंट भी करते है ताकि इस धरा पर अधिक से अधिक पौधे लग सके, हमारे पर्यावरण की रक्षा हो। इसी तार्यत्व में पौधे भेंट किये और सभी से आग्रह कि प्रकृति को बचाने में अपना योगदान दें। आदर्श महिला क्लब एवं मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट से नीरजा फौजदार, रामगोपाल चौबे, शारदा जैन, सुषमा गुप्ता, अशोक श्रीवास्तव, आर . एस . मेहर, सुनीता अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, श्वेता जैन, जूही दुबे, ज्योति अग्रवाल, उषा अग्रवाल आदि उपस्थित रही।

# मुख्यमंत्री कप एथलेटिक्स खिलाड़ियों को विधायक वर्मा ने किया पुरुस्कृत

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

सिवनी मालवा। विधायक कार्यालय बघवाड़ा में मुख्यमंत्री कप प्रतियोगिता में बालक बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने बाले प्रतिभावान खिलाड़ियों को विधायक सिवनीमालवा प्रेमशंकर वर्मा ने चेक एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया । मुख्यमंत्री कप प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने बाले खिलाड़ियों की सूची 1. कनक गोर 100 मीटर रनिंग, 2. यश अग्रवाल 100 मीटर, 3. पारुल गोर, 4. दुर्गेश मस्कोले, 200 मीटर, 5. शिवानी गौर 400 मीटर, 6. सौरभ वर्मा 400 मीटर, 7. कसक गोर 1000 मीटर, 8. अनिल चौहान 1000 मीटर,9. हेमा महेदिया ऊंची कूद, 10. केशव यदुवंशी ऊंची कूद, 11. विधी मालवी लम्बी कूद, 12. अजय बकोरिया लम्बी कूद, 13. अनुराधा निमोदा गोला फेंक, 14. शिवम कीर गोला फेंक, 15. प्रदीप मेहरा भाला फेंक इन खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री कप प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया था ।

विधायक प्रेम शंकर वर्मा ने बताया की हमारे विधानसभा क्षेत्र के ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने राष्टीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है उनको हम सम्मानित करने के साथ साथ पुरुस्कृत भी करते हैं जिससे हमारे क्षेत्र के खिलाड़ी खेल गतिविधि में भाग ले और अच्छी तैयारी करें ।

विधायक प्रतिनिधि दिनेश मेहतो ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे विधायक प्रेमशंकर वर्मा सभी प्रतिभावान खिलाड़ियों को चेक स्वरुप राशि देकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हैं खेल गतिविधि बढ़ाने के लिए विधायक ने हर पंचायत में जिम और कुछ ग्रामो में कबड्डी मेट भी उपलब्ध कराई है।

नैशनल खिलाड़ी हर्षिता चोरे ने विधायक श्री प्रेम शंकर वर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा की हमारे विधायक ने हमारे को जो मदद की हम उसके लिए विधायक जी के हम बहुत आभारी हैं । नैशनल खिलाड़ी शीतल भलावी ने बताया की हमारे विधायक श्री प्रेमशंकर वर्मा के पास हम जब भी कुछ काम के लिए जाते हैं तो बह हमारे काम जरुर करते हैं एवं हमारे को चेक स्वरुप राशि भी उपलब्ध कराते हैं जिससे हमारे को खेल गतिविधि में मदद मिलती है।

# मंदिरों में मर्यादित परिधान जरूरी

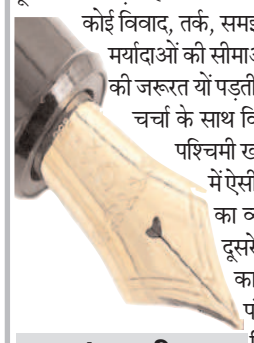

संपादकीय

क्या हम पहनावे से आधुनिक माने जाएंगे या सोच से! वैसे खान -पान पूजा-पाठ कपड़ा पहनना ये सब व्यति की व्यतिगत /निजता हैं। इसमें किसी को कोई विवाद, तर्क, समझाइश देने या करने की जरूरत नहीं हैं, पर जब मर्यादाओं की सीमाओं का उल्लंघन होने पर उन पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत यों पड़ती हैं? आज खान-पान पहनावे पर बहुत अधिक चर्चा के साथ विवाद हो रहा हैं। जैसे खान-पान में आजकल पश्चिमी खान- पान ने हमारे देश की पारंपरिक खान-पान में ऐसी सेंध लगाई हैं। इस समय होटल और हॉस्पिटल का व्यापार बहुत फलफूल रहा हैं, योंकि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। आक्रामिक बाजारीकरण के कारण विज्ञापनों के हमें मानसिक गुलाम के साथ पंगु बना दिया हैं और हम उससे बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। यह बहुत बड़ी और दूरगामी सोची समझी राजनीति-रणनीति हैं। आज महंगाई का बहाना लेकर परिवार का प्रत्येक सदस्य कमाई करने वाला बन गया है। आज हमारे घरों में खाना बनाने के लिए रासायनिक और मिलावटी खाद्य सामग्रियों का उपयोग बढ़ गया है, जिससे हम अनेक बीमारियों से ग्रसित हो रहे है हम आधुनिक बनते जा रहे हैं और बन चुके हैं पर हम उसे व्यवहारिक धरातल में नहीं उतार पा रहे हैं। आज- कल महिलाओं के पहनावे पर बहुत अधिक विवाद के साथ तर्क वितर्क हो रहे हैं। अंग प्रदर्शन के साथ छोटेछोटे कपड़े पहनने पर उनका अपना तर्क हैं और होना भी चाहिए, उनकी सोच हैं आदमियों की निगाहों में खोट हैं। या ऐसी वेशभूषा में वे अपनी मां, बाप, भाई, चाचा, दादा के सामने सुखद अनुभूति करती हैं या नहीं। तब अन्य पुरुषों से या अपेक्षा करें, इसका स्वयं निर्णय ले। ड्रेस/यूनिफॉर्म हमें अनुशासन सिखाती हैं। या मिलिटरीमैन, पुलिस, वकील, डॉटर, विद्यार्थीअपनी यूनिफॉर्म से पहचाने जाते हैं। आज हम इतने आधुनिक होने के बावजूद भी गुरुद्वारा, मस्जिद में एक प्रकार की ड्रेस में ही प्रवेश दिया जाता हैं, वहां कोई समझौता नहीं होता हैं, लेकिन हमारे जैन मंदिरों में हिन्दू मंदिरों में कोई नियम धर्म नहीं हैं। कुछ भी पहनकर जाना जैसे छोटेछोटे कपड़े, पारदर्शी ड्रेस पहनना और चुस्त कपड़े पहनकर अंगों का दिखावा करने से या वे स्वयं अच्छा महसूस करती हैं। उनके पहनावे से अन्य लोग भी आकर्षित होते हैं और उनका ध्यान भगवान की ओर न जाकर उनके अंगों और उनकी सुंदरता को देखने को विवश हो जाते हैं। इसी को ध्यान में रखकर कई जैन और हिन्दू मंदिरों में उचित परिधान पहनकर प्रवेश मिलेगा, अन्यथा उन्हें मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मंदिरों में प्रवेश ऐसी ड्रेस में जाए जो स्वयं के साथ दूसरे को भी अच्छा लगे। परिधान से व्यति का व्यतित्व प्रदर्शित होता हैं। हमारा कहना हैं आधुनिकता जरूर अपनाओ पर अपनी सीमा में रहकर और अपनी संस्कृति के अनुसार।

# साध्य एवं असाध्य रोगों मैं कारगर हैं एक्युप्रेशर चिकित्सा पद्धति

## जानिए, एक्यूप्रेशर रत्न एवं गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ प्रताप सिंह वर्मा से

**एक्यु का अर्थ है**- तीक्ष्ण धारदार और प्रेशर का अर्थ है- दबाव मानव शरीर के निर्धारित बिन्दुओं पर उचित दबाव देकर रोग से राहत पाने की इलाज प्रक्रिया को एक्युप्रेशर पद्धति कहा गया है।अतः एक्यूप्रेशर शरीर के विभिन्न हिस्सों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर दबाव डालकर रोग के निदान करने की विधि है।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा की खोज 6000 वर्ष पूर्व भारत वर्ष में ही हुई थी प्राणायाम, आसन मुद्रा में, कर्ण छेदन, शिखा बंधन, चूड़ी कड़े, हार, बाजूबंद, कवच-कुंडल, खड़ाऊ धारण करना, भूमि शैय्या, नंगे पर टहलना आदि का संबंध हमारे देश में एक्यूप्रेशर से है । आज विश्व के कई देश अमेरिका, चीन, श्रीलंका, इंग्लैंड, फ्रांस, जापान, जर्मनी मैं इस पद्धति को काफी प्रसिद्धि मिल रही है रही। पहले चीन ने इसे एक्यूपंचर के नाम से विकसित किया था, एक्यूप्रेशर की निम्न पद्धतियां प्रचलन में है ।

**शिआत्सु** - यह पद्धति जापान की है, शि यानी अंगुली, आन्सु का अर्थ है दबाव । शरीर के ऊपर विशिष्ट स्थान पर अंगुली द्वारा दबाव देकर इलाज करने की पद्धति को शि आत्सु पद्धति कहते हैं।

**रिफलेक्सोलोजी** - हाथ की हथेली या कलाई के दाब बिन्दुओं पर दबाव देकर रोग निवारण पद्धति को हैण्ड-रिफलैक्सोलोजी एवं पैर के तलवे, फना छुरी तथा उसके आस पास के बिन्दुओ को दबाकर ठीक करने की पद्धति को फुट- रिफलेक्सोलोजी कहते हैं ।

**मेरीडियन** - शक्ति रेखाओं की भूमिका पर आधारित यह दबाव पद्धति है। शरीर पर निश्चित किये गये कुछ प्रमुख दाब बिन्दुओं को दबाकर अच्छा करना मेरीडियन पद्धति कहलाती है। हाथ-पैरों की अंगुलियों को आधार मानकर ऊपर से नीचे की ओर अगर दस समान्तर रेखायें खीची जायें तो स्पष्ट हो जाता है, कि शरीर का कौन-सा भाग किस जोन में पड़ता है और उसका संबंध हाथ-पैर के किस भाग से है । यह प्रवाह दायें बायें हाथ की अंगुलियों के शीर्ष से शुरू होकर शरीर के दोनों भागों में घूमता हुआ पैरों की अंगुलियों के अंतिम छोर तक चलता रहता है । शरीर के इस दायें-बायें भाग को पुन-पांच भागों में विभक्त किया गया है इस तरह कुल 10 मुख्य जोन होते हैं।

**सिद्धान्त**- हमारे शरीर में एक चेतना शक्ति हैं, जिसे भारत में अदम, वीर्य, ओजस, तेजस, धारक, प्राण चेतना आदि नामों से जाना जाता है । चिकित्सा विभाग में इस शक्ति को रक्त लिम्फर नर्वस इंफोरमेशन रूपी तत्वों से जानते हैं, परन्तु चीनी विशेषज्ञ एक और अदृश्य सरकुलेटरी सिस्टम को मानते हैं। जिसे केवल महसूस ही कर सकते हैं, जो शरीर में स्थित स्नायुमंण्डल के जाल में निरन्तर बहता रहता है। इस शक्ति को दो भागों में बांटा गया है- (ची) (चेन)। जब रक्त वाहिनियों के कण-कण में व्यवधान होता है, तो रोग की उत्पत्ति होती है, शरीर में प्रवाहित चेतना शक्ति एवं रक्त प्रवाह को संतुलित रखने के लिये प्रकृति ने शरीर में कई निर्धारित बिन्दुओं को प्रदत्त किया है, जिन पर व्यवस्थित ढंग से नियमपूर्वक दबाव देने से शक्ति का संचार होता है और शरीर स्वस्थ बना रहता है।

**एक्युप्रेशर देने से शरीर में निम्न प्रकार से असर होता है**-

- चमड़ी में स्फूर्ति पैदा करता है।
- शरीर में आवश्यक तत्वों का प्रसार करता है।
- यह मांशपेशी तन्तुओं में लचक पैदा करता है।
- यह अस्थि पंचर में विकृतियों को दूर करता है।
- स्नायु संस्थान में पैदा हुई विकृति को दूर करता है ।
- समस्त ग्रंथियों को नियंत्रित करके आंतरिक अंगों की स्फूर्ति करना।
- शरीर में मौजूद रोगों को भगाने की शक्ति को जाग्रत करना।

प्रकृति ने हमारे शरीर में ही स्वयं स्वस्थ्य रहने के त्रुटी रहित स्विच बोर्ड (स्वचालित एक्स-रे मशीन) लगा रखें हैं, जिन पर दबाव देने से हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने अस्वस्थ अंगों को स्वस्थ करने और बाहरी शक्तियों से लड़ने की क्षमता मिलती है, इन्हीं हाथ-पैरों के तलवों पर रक्त वाहिनियों के अंतिम छोरों पर कुछ रवेदार सूक्ष्म रासायनिक पदार्थ एकत्रित हो जाते हैं। खान- पान, रहन-सहन,आचार-व्यवहार संतुलित न होने से मानव शरीर मे कई प्रकार के विकार नसों में पैदा होकर सरकुलेशन में रूकावट पैदा करते है एवं रोग की उत्पत्ति होती है। एक्युप्रेशर पद्धति में अंगुली से दबाकर नसों में एकत्रित विकार को हटा कर, रक्त प्रवाह को सही करके प्रभावित अंग ठीक ढंग से कार्य करने लगता है।

**उपचार विधि**- उपचार के लिये वैसे तो पूरे शरीर का महत्व है, क्यों कि एक्युप्रेशर वैज्ञानिको ने 900 बिन्दु खोजे हैं, जिसमें से चीनी व जापानीयों ने 656 खोजें हैं जिनमें 80 बिन्दु इअर एक्युप्रेशर पाये जाते है एवं स्पाइन एक्युप्रेशर बिन्दु भी होते है, परन्तु हाथ व पैर के तलवों का विशेष महत्व है। प्रत्येक तलवे में 36- 36 बिन्दु यानें 36X 4 = 144 सक्रिय बिन्दु हैं, जिन पर दबाव देने से रोग ग्रस्त अंग में पीड़ा होने लगती है एवं संबंधित अंग की बीमारी ठीक हो जाती है। दबाब 1 से 2 मिनिट तक उचित तरीके से प्रतिदिन देना पड़ता है नये रोगों में शीघ्र लाभ मिलता है, पुराने रोगों में कुछ अधिक समय लगता है। इस पद्धति से सिर दर्द, पीठ. गठिया, घुटनों, कंधे, सभी जोड़ों का दर्द, दमा, पुराना जुकाम, खांसी, टांसिल्स, मोटापा, गंजापन, कब्ज, शुगर रक्त चाप, हिचकी, नींद न आना, धकावट आदि अनेक रोगों में राहत मिलती है । दबाव आधुनिक कारगार मशीनों जैसे एक्यूप्रेशर+ पिरामिड प्लेट फुट रोलर, स्पाइन रोलर, मसाजर, बेल्ट वगैरह से भी दिया जाता है। 1971 में डब्लू एच ओ ने भी इस पद्धति का मान्यता दी है एवं 1980 में में मेडिसिन आलटरनेटिव नामक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान ने वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में इस पद्धति को मान्यता दी है। इंस्टीट्यूट ऑफ हॉलिस्टिक मेडिसिन, इंदौर के अध्यक्ष डॉ सुधीर खेतावत द्वारा हजारों लोगों का इस पद्धति द्वारा सफल इलाज किया गया है तथा इस पद्धति के कोर्स उनकी अकादमी द्वारा संचालित होते हैं साथ ही उनसे संबद्ध लाइफ-लाइन एक्यूप्रेशर सेंटर इटारसी से भी एक्यूप्रेशर डिप्लोमा पाठ्यक्रम कराए जाते हैं । अतः एक्युप्रेशर चिकित्सा पद्धति पूर्णतः अहिंसक, दुष्प्रभाव रहित, निश्चित निदान करने वाली और अपना इलाज स्वयं कर सकने की सामर्थ्य प्रदान करने वाली विश्व की एक मात्र चिकित्सा पद्धति है।

# महाकाल दर्शन करने के लिए 3 किलोमीटर पैदल चलना होगा जानिए महाकाल दर्शन प्लान

**उज्जैन।4 जुलाई से श्रावण का महीना शुरू हो जाएगा और विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगेगी। आने वाले दर्शनार्थियों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा दर्शन प्लान तैयार कर लिया गया है। इस बार भक्तों को बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए 3 किलोमीटर का पैदल सफर तय करना होगा।**

जो भक्त बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचेंगे उन्हें चार धाम पार्किंग से महाकाल लोक में प्रवेश दिया जाएगा। वही कावड़ यात्रियों को बड़ा गणेश मंदिर के सामने चार नंबर गेट से मंदिर में प्रवेश मिलेगा। वीवीआइपी निर्माल्य द्वार से मंदिर में प्रवेश करेंगे। मंदिर के आसपास अभी बहुत सारे निर्माण कार्य चल रहे हैं, जिसके चलते व्यवस्था निर्धारित नहीं हो पा रही है। लेकिन फाइनल प्लान जल्द ही जारी होगा और फिर संकेतक बोर्ड लगाने का काम शुरू किया जाएगा।

### महाकाल दर्शन प्लान

फिलहाल दर्शनार्थियों के लिए जो प्लान तैयार किया गया है, उसके मुताबिक सामान्य दर्शनार्थी चार धाम पार्किंग के जरिए रूद्र सागर रोड, इंटरप्रिटेशन चौराहा होते हुए महाकाल लोक में प्रवेश करेंगे और मानसरोवर फैसिलिटी सेंटर से नई टनल में होते हुए कार्तिकेय मंडपम और गणेश मंडपम से बाबा के दर्शन करेंगे। यह पूरा सफर तकरीबन 3 किलोमीटर का है।

दर्शन के उपरांत आपातकालीन द्वार से निकलकर म्यूजियम के पास से होते हुए निर्गम मार्ग से श्रद्धालुओं को मंदिर के बाहर निकाला जाएगा। सामान्य दर्शनार्थियों का रूट लगभग तय कर दिया गया है। अन्य द्वार से प्रवेश की व्यवस्था को लेकर थोड़ी मुश्किल सामने आ रही है।

### कहां से किसे प्रवेश शीघ्र दर्शन

250 रूपए का टिकट लेकर शीघ्र दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर कार्यालय के सामने गेट नंबर एक और बड़ा गणेश मंदिर के सामने चार नंबर गेट से प्रवेश दिया जाने वाला है।

### कावड़ यात्री

सावन के महीने में बाबा महाकाल का जलाभिषेक करने के लिए देश भर से कावड़ यात्रियों का जत्था मंदिर में पहुंचता है। इन यात्रियों को मंगलवार से शुक्रवार तक 4 दिन मंदिर में प्रवेश कर जल अर्पित करने की अनुमति रहेगी। इन्हें भी शीघ्र दर्शन टिकट वाले दर्शनार्थियों के साथ गेट नंबर 4 से प्रवेश दिया जाएगा। शनिवार, रविवार और सोमवार को जो कावड़ यात्री आएंगे। उन्हें सामान्य दर्शनार्थियों के साथ मंदिर में प्रवेश करना होगा।

### वीवीआइपी प्रवेश

निर्धारित श्रेणी के वीवीआईपी निर्माल्या गेट से नंदी मंडपम में प्रवेश कर बाबा के दर्शन कर सकेंगे।

डॉ प्रताप सिंह वर्मा

गुरु पूर्णिमा- 3 जुलाई 2023 पर विशेष

# राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वर-तुल्य गुरु

ललित गर्ग

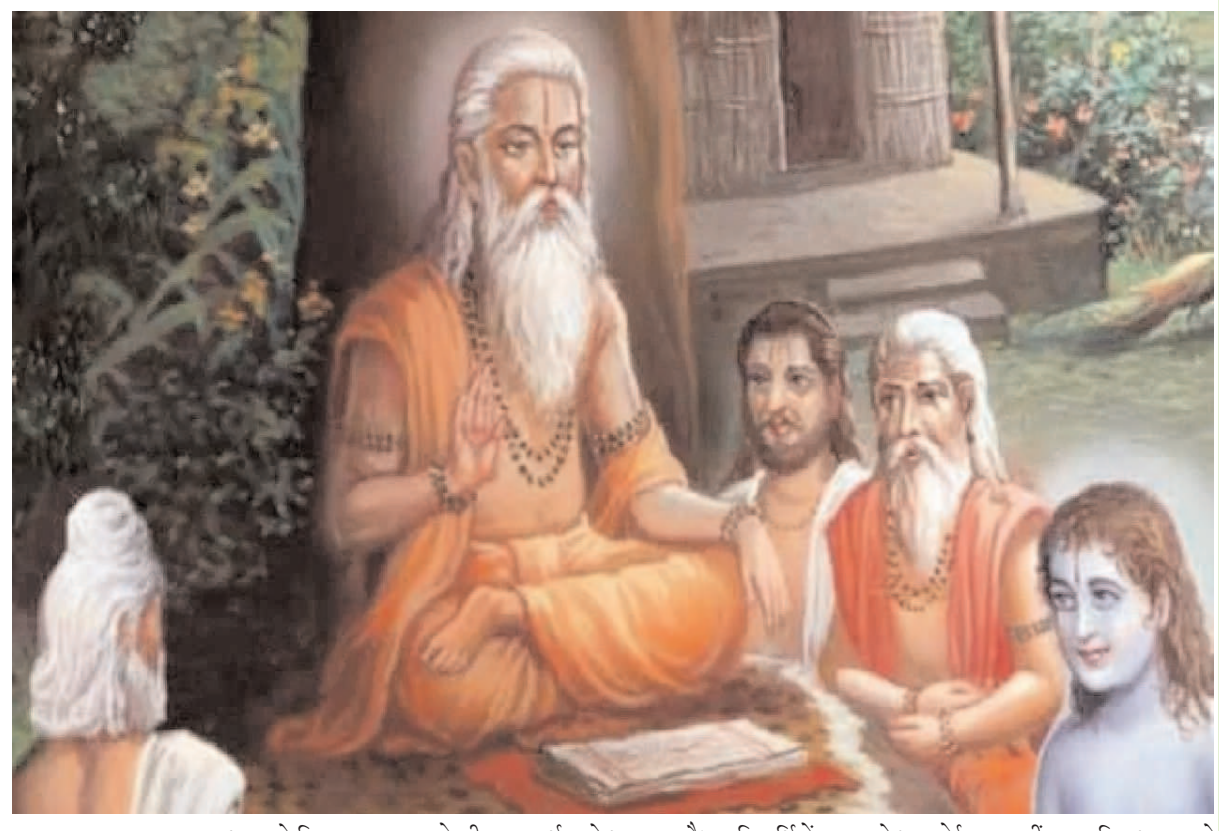

**भारतीय संस्कृति में गुरु पूर्णिमा का विशेष महत्व है, यह गुरु-पूजन का पर्व है। सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पर्व, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। पर्वों, त्यौहारों और संस्कारों की भारतभूमि में गुरु का स्थान सर्वोपरि माना गया है।**

यह अध्यात्म-जगत विशेषतः सनातन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है, हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। इस दिन से ऋतु परिवर्तन भी होता है। इसदिन शिष्य अपने गुरु की पूजा करते हैं और अपने गुरु को यथाशक्ति दक्षिणा, पुष्प, वस्त्र, उपहार आदि भेंट करते हैं। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहां विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वरतुल्य गुरु, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा? गुरु ही शिष्य का मार्गदर्शन करते हैं और वे ही जीवन को ऊर्जामय बनाते हैं।

हमारी प्राचीन गुरुकुल परम्परा एवं गुरुकुल संस्कृति ने महर्षि, तपस्वी, राष्ट्रभक्त, चक्रवर्ती सम्राट और जगद्गुरु तक के सुयोग्य महापुरुष उपलब्ध कराए हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने भी गुरु महिमा को सर्वोपरि माना है। जनकपुरी में ऋषि विश्वामित्र की सेवा इसका प्रमाण है। भारतीय संस्कृति में गुरु आश्रय रहित व्यक्ति को अत्यंत हेय माना गया है। हमारे देश के ऋषि-महर्षि, तीर्थंकर और महात्मा गौतम बुद्ध, महावीर जैसी दिव्य विभूतियों ने गुरु पद से अपने उपदेशों से उदार भावना स्थापित की। भौतिकवादी युग में गुरु के प्रति आस्था में न्यूनता आई है, जिसके परिणाम स्वरूप जीवन में अशांति, असुरक्षा और मानवीय गुणों का अभाव हो रहा है। गुरु पूर्णिमा के मौके पर वे लोग परेशान होते हैं जिनके कोई गुरु नहीं हैं कि वे किसकी पूजा करके आशीर्वाद प्राप्त करें। ऐसे लोगों की चिंता का समाधान तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा में किया है कि ...जै जै जै हनुमान गोसाई, कृपा करहु गुरुदेव की नाई। उन्होंने कहा है कि अगर किसी का गुरु नहीं है तो वह हनुमानजी को अपना गुरु बना सकता है। श्री गुरु चरण के स्मरण मात्र से ही आत्मज्योति का विकास हो जाता है। भारतीय संस्कृति में गुरु पद को सर्वोपरि माना गया है।

गुरु की सन्निधि, प्रवचन, आशीर्वाद और अनुग्रह जिसे भी भाग्य से मिल जाए उसका तो जीवन कृतार्थता से भर उठता है। क्योंकि गुरु बिना न आत्म-दर्शन होता और न परमात्म-दर्शन। गुरु भवसागर पार पाने में नाविक का दायित्व निभाते हैं। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवी आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है- गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके।

यह त्योहार गुरु-शिष्य के आत्मीय संबंधों को सचेतन व्याख्या देता है। काव्यात्मक भाषा में कहा गया है- गुरु पूर्णिमा के चांद जैसा और शिष्य आषाढ़ी बादल जैसा। गुरु के पास चांद की तरह जीए गये अनुभवों का अक्षय कोष होता है। इसीलिये इस दिन गुरु की पूजा की जाती है इसलिए इसे 'गुरु पूजा दिवस' भी कहा जाता है। 'आचार्य देवोभवः' का स्पष्ट अनुदेश भारत की पुनीत परंपरा है और वेद आदि ग्रंथों का अनुपम आदेश है। ऐसी मान्यता है कि हरिशयनी एकादशी के बाद सभी देवी-देवता चार मास के लिए सो जाते है। इसलिए हरिशयनी एकादशी के बाद पथ प्रदर्शक गुरु की शरण में जाना आवश्यक हो जाता है। परमात्मा की ओर संकेत करने वाले गुरु ही होते है। गुरु एक तरह का बांध है जो परमात्मा और संसार के बीच और शिष्य और भगवान के बीच सेतु का काम करते हैं। इन गुरुओं की छत्रछाया में से निकलने वाले कपिल, कणाद, गौतम, पाणिनी आदि अपने विद्या वैभव के लिए आज भी संसार में प्रसिद्ध है। गुरुओं के शांत पवित्र आश्रम में बैठकर अध्ययन करने वाले शिष्यों की बुद्धि भी तद्नुकूल उज्ज्वल और उदात्त हुआ करती थी।

योग दर्शन नामक पुस्तक में भगवान श्रीकृष्ण को जगतगुरु कहा गया है क्योंकि महाभारत के युद्ध के दौरान उन्होंने अर्जुन को कर्मयोग का उपदेश दिया था। माता-पिता केवल हमारे शरीर की उत्पत्ति के कारण है लेकिन हमारे जीवन को सुसंस्कृत करके उसे सर्वांग सुंदर बनाने का कार्य गुरु या आचार्य का ही है। पहले गुरु उसे कहते थे जो विद्यार्थी को विद्या और अविद्या अर्थात आत्मज्ञान और सांसारिक ज्ञान दोनों का बोध कराते थे लेकिन बाद में आत्मज्ञान के लिए गुरु और सांसारिक ज्ञान के लिए आचार्य-ये दो पद अलग-अलग हो गए। भारत के महान् दार्शनिक ओशो ने जब यह कहा कि हमारी शिक्षण संस्थाएं अविद्या का प्रचार कर रही हैं तो लोगों ने आपत्ति की लेकिन वे बात सही कह रहे थे। आज हमारे विद्यालयों में ज्ञान का नहीं बल्कि सूचनाओं का हस्तांतरण हो रहा है। विद्यार्थियों का ज्ञान से अब कोई वास्ता नहीं रहा इसलिए आज हमारे पास डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, न्यायाधीश, वैज्ञानिक और वास्तुकारों की तो एक बड़ी भीड़ जमा है लेकिन ज्ञान के अभाव में चरित्र और चरित्र के बिना सुंदर समाज की कल्पना दिवास्वप्न बन कर रह गई है। पाठ्य पुस्तकों में कुछ नीतिपरक श्लोकों को जोड़ने अथवा बच्चों को तोते की तरह गायत्री मंत्र रटाने या अंग्रेजी शैली में योग को 'योगा' करने से न तो चरित्र निर्माण होता है और न भावी पीढ़ी में ज्ञान का हस्तांतरण ही संभव है। ज्ञान तो गुरु से ही प्राप्त हो सकता है लेकिन गुरु मिलें कहां? अब तो ट्यूटर हैं, टीचर हैं, प्रोफेसर हैं पर गुरु नदारद हैं। गुरु के प्रति अविचल आस्था ही वह द्वार है जिससे ज्ञान का हस्तांतरण संभव है। हमें इन तथ्यों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह सत्य है कि आज हम जिस सामाजिक और आर्थिक परिवेश में सांस ले रहे हैं वहां इन पुरानी व्यवस्थाओं की चर्चा निरर्थक हैं परंतु इनके सार्थक और शाश्वत अंशों को तो हम ग्रहण कर ही सकते हैं।

आज नकली, धूर्त, ढोंगी, पाखंडी, साधु-संन्यासियों और गुरुओं की बाढ़ ने असली गुरु की महिमा को घटा दिया है। असली गुरु की पहचान करना बहुत कठिन हो गया है। भगवान से मिलाने के नाम पर, मोक्ष और मुक्ति दिलाने के नाम पर, कुण्डलिनी जागृति के नाम पर, पाप और दुःख काटने के नाम पर, रोग-व्याधियां दूर करने के नाम पर और जीवन में सुख और सफलता दिलाने के नाम पर हजारों धोखेबाज गुरु पैदा हो गये हैं जिनको वास्तव में कोई आध्यात्मिक उपलब्धि नहीं है। जो स्वयं आत्मा को नहीं जानते वे दूसरों को आत्मा पाने का गुर बताते हैं। तरह-तरह के प्रलोभन देकर धन कमाने के लिए शिष्यों की संख्या बढ़ाते हैं। जिसके बाड़े में जितने अधिक शिष्य हों वह उतना ही बड़ा और सिद्ध गुरु कहलाता है। मूर्ख भोली-भाली जनता इनके पीछे-पीछे भागती है और दान-दक्षिणा देती है। ऐसे धन-लोलुप अज्ञानी और पाखंडी गुरुओं से हमें सदा सावधान रहना चाहिए। कहावत है कि 'पानी पीजै छान के और गुरु कीजै जान के। सच्चा गुरु ही भगवान तुल्य है। इसीलिए कहा गया है कि 'गुरु-गोविंद दोऊ खड़े काके लागूं पांय, बलिहारी गुरु आपनो जिन गोविंद दियो मिलाय।' यानी भगवान से भी अधिक महत्व गुरु को दिया गया है। यदि गुरु रास्ता न बताये तो हम भगवान तक नहीं पहुंच सकते। अतः सच्चा गुरु मिलने पर उनके चरणों में सब कुछ न्यौछावर कर दीजिये। उनके उपदेशों को अक्षरशः मानिये और जीवन में उतारिये। सभी मनुष्य अपने भीतर बैठे इस परम गुरु को जगायें। यही गुरु-पूर्णिमा की सार्थकता है तथा इसी के साथ अपने गुरु का भी सम्मान करें।

## माँ की ममता को कुचलता कलयुगी क्रूर पिता

# अपने ढाई साल के बेटे को ढूंढती बेबस, लाचार, पीड़ित माँ, क्या कानून, समाज इंसाफ देगा?

माँ अपने मासूम बच्चे को 2 साल से ढूंढते बेहाल, बच्चा पिता द्वारा अगवा

## एक बेबस, लाचार माँ की ममता के दमन की क्रूर कहानी

कलयुगी पिता किशन सिंह राजपूत

**नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा**

**नागपुर/तुमसर।** हम नर्मदा समय में एक ऐसी बेबस लाचार और घरेलू हिंसा से पीड़ित माँ की बात कर रहे हैं जो कानून के दरवाजों एवं समाज से अपने बेटे की ममता को प्राप्त करने के लिए, इंसाफ मांग रही हैं। किंतु आज भी इस पुरुष प्रधान समाज में उसकी किसी प्रकार से कोई सुनवाई पर अमल नहीं हो रहा है। उनके फरार पति के साथ पूरा परिवार शातिराना तरीके से मासूम ढाई साल के बच्चे पवन सिंह को अगवा कर कहाँ किस हाल में रख रहा हैं पता नहीं जो चिंता का विषय हैं एवं सामाजिक परिवेश में क्रूरता की पराकाष्ठा को समाज में आइना दिखा रहा है। यह वास्तविक कहानी है लोधी नारी शक्ति की संघर्षरत ललिता नागपुरे की जो गांव ब्राह्मण टोला, तहसील तुमसर, जिला भंडारा महाराष्ट्र की है। जिन्होंने अपने ऊपर किये गए शादी के बाद के अत्याचारों एवं घरेलू हिंसा का वर्णन स्वयं किया है।

### जानिए उनकी दुख भरी दास्ताँ उनकी जुबानी

मेरा नाम ललिता नागपुरे लोधी है मैं महाराष्ट्र नागपुर गांव ब्राह्मण टोला से हूँ। मेरी शादी किशन सिंह मालू सिंह राजपूत गांव किरतासर, तहसील नोखा, जिला बीकानेर, राजस्थान के साथ आर्य समाज, सदर, महर्षि दयानंद भवन, नागपुर में 25 नवंबर 2019 को हिंदू रीति रिवाज से संपन्न हुई थी। उसी दिन से मैं और मेरे पति किशन सिंह राजपूत, पति-पत्नी के रूप में राजस्थान, गांव किरतासर में रहने लगे थे। शादी के बाद मेरे पति मेरे साथ एक 2 महीने तक अच्छे से रहे थे। परंतु उसके बाद मेरे पति किशन सिंह और मेरी सास गुलाब कंवर मुझे परेशान करने लगे थे। उनका कहना था कि इसे ललिता को राजस्थान का रीति रिवाज नहीं समझता। राजस्थानी (मारवाड़ी) बोली नहीं आती ऐसे बातें बोलकर मुझे मानसिक और शारीरिक पीड़ा देते थे कुछ दिन बाद 16 फरवरी 2020 को मैं और मेरे पति राजस्थान से महाराष्ट्र मेरे मायके मिलने आए थे, तब मेरी सास ने मुझे कहा था, मायके से पूरे परिवार के लिए कपड़े और भेंट ले आना। यह राजस्थान का रीति रिवाज है और मजबूरी में मुझे मेरे पिताजी से 6 हज़ार रुपये लेने पड़े। उसके बाद 25 फरवरी 2020 को मैं और मेरे पति किराए के मकान में सेंडए नगर, नागपुर में रहने लगे थे। एक बार 6 हज़ार रुपये मिलने के बाद मेरे पति और मेरी सास के मन में लालच बढ़ता गया और वह मुझपर मायके से और पैसे लाने का दबाव बनाने लगे ऐसा ना करने पर मेरे पति मुझे मारते पीटते थे । 28 फरवरी 2020 को मुझे और मेरे पति को पता चलता है कि, मैं मां बनने वाली हूं उसके बाद भी मेरे पति मुझे मारते रहते थे और कहते थे कि मैं तेरा और इस बच्चे का खर्चा नहीं उठा सकता अपने बाप से पैसे मांग और मेरे मना करने पर कहता कि यह बच्चा उसका नहीं है। किसी और का है। मेरे पिता के रिटायरमेंट पर मेरे पति मुझसे 2 लाख रुपए का दहेज मांगने का जबरदस्ती दबाव बनाने लगे थे। दिनांक 21 मई 2020 को शाम 5 बजे मेरे पति ने मुझे मारपीट कर किराए के मकान से निकाल दिया था और मेरे कपड़े भी बाहर फेंक दिए थे! और कहने लगा था कि जबतक तेरे बाप से पैसे नहीं मांगती तब तक मेरे मकान में मत आना मैं करीब आधा घंटा दरवाजे पर बैठकर रोती रही पर मेरे पति ने दरवाजा नहीं खोला तो फिर मेरे पास और कोई रास्ता नहीं था और इसलिए मैं वहां से उठकर कपिल नगर, नागपुर मेरे चाचा के घर पैदल चली गई थी। जो कि मेरे पति के किराए के मकान से 1 किलोमीटर दूरी पर था। दिनांक 24 मई 2020 को मेरे पति नागपुर से राजस्थान के लिए निकल गए थे मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था और इसीलिए मैंने कपिल नगर नागपुर पुलिस स्टेशन में मेरे पति के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी।

इसके पहले 3 दिन तक मेरे परिवार (मायके वालो) ने मेरे पति को बहुत मनाने और समझाने की कोशिश की थी पर वह मुझे लेने नहीं आया था और फिर शिकायत करने पर और पुलिस के कहने पर मेरे पति पुलिस स्टेशन कपिल नगर आए थे। फिर पुलिस के समझाने पर मेरे पति ने मुझे किराए के मकान में लेकर गए थे। उसके 5 दिन बाद ही बिना मेरे मायके वाले को बताएं मुझे महाराष्ट्र से राजस्थान गांव कीरतासर लेकर गए थे। कीरतासर जाने के बाद एक बार फिर से मैं मेरे ससुराल में जॉइंट फैमिली में रहने लगी थी कीरतासर में मेरे पति मुझे मारते पीटते थे मायके से पैसे मांगने पर मजबूर करते थे और इस काम में मेरे ससुराल वाले मेरे जेठ राजू सिंह, जेठानी आरजू , कांचन, जेठ समंदर सिंह, सास गुलाब कंवर उनका साथ देते थे। ससुराल वालों का कहना था की बहू ने मायके से जेवर गहने और पैसे मांगने चाहिए यह तो हमारा राजस्थान का रिवाज है मायरा।

दिनांक 2 अगस्त 2020 को मैंने पीबीएम सरकारी अस्पताल बीकानेर में एक लड़के को जन्म दिया था।

डिलीवरी के 7 दिन बाद ही मेरे पति ने कहा कि बच्चे का नामकरण करना है तो अपने बाप से 50 हज़ार रुपये मांग और मेरे मना करने पर मुझे मारने पीटने लगा उसका परिवार (मेरे ससुराल वाले) बोलते थे कि, ललिता तो हमारी बात नहीं मानती मायके से पैसे नहीं मांगती, हमारे राजस्थानी रिवाज नहीं मानती, इसे तलाक दे दो । दिनांक 8 जुलाई 2022 को मेरे ससुराल में सुबह 7 बजे के आसपास मेरा मोबाइल क्यों देख रही है ? ऐसा बोलकर मेरे पति ने कमर के पट्टे से मुझे मारने लगा था, गाली गलौज किया था। ओर मुझसे मेरा बच्चा पवन सिंह छीन कर मुझे एक कमरे में बंद कर दिया था। उसी दिन दोपहर 2 से 3 बजे के आसपास मैं खिड़की से कूदकर अपनी जान बचाते हुए पति के घर से भाग निकली। मैंने अपने बच्चे को आसपास देखा पर मुझे मेरा बच्चा नहीं दिखा और मुझे मेरी जान का खतरा भी था ,इसीलिए मेरे पति के घर से भागकर मैं निकल गई थी। मेरे पीछे-पीछे मेरे ससुराल वाले जेठ समंदर सिंह जेठानी आरजू , कांचन कवर मेरे पीछे दौड़े थे पर मैं उनसे भागकर बस स्टॉप के पीछे वाली गली के तरफ भागी और बस पकड़ कर अपनी जान बचा कर आई थी।

दिनांक 11 जुलाई 2022 को रात 11 बजे मैं मेरे मायके गांव ब्राह्मण टोला पुलिस स्टेशन सिहोरा, तहसील तुमसर, जिला भंडारा, महाराष्ट्र आई थी। लेकिन मेरा बच्चा राजस्थान में ही छूट गया था। राजस्थान से महाराष्ट्र आने के बाद मैंने सिहोरा पुलिस स्टेशन में 12 जुलाई 2022 को मेरे पति के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी और मेरे बच्चे को मिलाने की मांग (विनती) की थी । इस प्रक्रिया के दौरान घरेलू हिंसा केस नंबर 4 /2023 तुमसर कोर्ट से मुझे बच्चे की कस्टडी भी मिल चुकी है। मैं सिहोरा (महाराष्ट्र) पुलिस और नोखा (राजस्थान) पुलिस के साथ गांव किरतासर, पुलिस स्टेशन नोखा, जिला बीकानेर, राजस्थान बच्चे को लेने गई थी परंतु मेरा पति बच्चे को लेकर घर से भाग चुका था। आज भी मेरी लड़ाई जारी है दिनांक 2 जुलाई 2023 तक बच्चा मुझे नहीं मिला, मैं मेरे बच्चे की खोज वर्तमान में कर रही हूं। इसके लिए मैंने मेरे पति के खिलाफ मेरे बच्चे को किडनैप करने की ऑनलाइन शिकायत भी की है। दिनांक 17 जून 2023 पुलिस स्टेशन नोखा, जिला बीकानेर, राजस्थान मैंने शिकायत दर्ज की है !मेरे पति को डर है कि कहीं बच्चे को उसकी मां को देने पर उसे (किशन सिंह) को बच्चा और माँ का खर्च देना पड़ेगा और इसीलिए वह मेरे मासूम बच्चे की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहा है। मेरा बच्चा मुझे जल्द से जल्द मिले यही मेरी विनती है।

उन्होंने कानून के द्वारा इस अत्याचार से निपटने की कार्यवाही तो की ही है साथ ही लोधी महासभा एवं महिला आयोग से न्याय की अपील की है। वह चाहती हैं कि उनका शातिर पति जो उनके बच्चे पवन सिंह को सालों से अगवा करके रखा है उन्हें सौंपा जाए बच्चा किस हाल में रखा है उसकी उन्हें चिंता है।

## मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के अंतर्गत आज शक्ति केंद्र क्रमांक 6 की बैठक आयोजित हुई

**नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा**

**पिपरिया।** मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के अंतर्गत आज शक्ति केंद्र क्रमांक 6 की बैठक आयोजित हुई। बैठक में महाराणा प्रताप वार्ड, राजेंद्र वार्ड, राधाकृष्ण वार्ड तीनों वार्ड के अध्यक्ष महामंत्री बी एल ए 2 उपस्थित रहे।

इस मौके पर मंचासीन अतिथि के रुप में बिहार प्रदेश से पधारे पंकज सिंह, क्षेत्रीय विधायक ठाकुरदास नागवंशी, पूर्व विधायक हरिशंकर जयसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष नीना नागपाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र हरदेनिया, नारायणदास गंगेले, वरिष्ठ भाजपा नेत्री पार्वती शर्मा, जी संगीता हरदेनिया, मंडल अध्यक्ष बलराम ठाकुर, राकेश कटकवार, गिरधर मल्ल उपस्थित रहेद्य इस दौरान कार्यक्रम को क्षेत्रीय विधायक ठाकुरदास नागवंशी पूर्व विधायक हरिशंकर जयसवाल जी ने भी संबोधित किया। उपरांत अतिथि के रूप में पंकज सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बूथ एवं पन्ना समिति के बारे में विस्तार से बताते हुए बूथ अध्यक्षों को अपने-अपने बूथ मजबूती पर जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित युवा जय कटाक्कार को शक्ति केंद्र का प्रभारी नियुक्त किया गया इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने उस का पुष्प माला से स्वागत किया द्य कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष ओम प्रकाश वर्मा, शिवकुमार स्थापक, प्रशांत तिवारी, पवन सोनी अपने वार्ड की टीम के साथ बड़ी संख्या में मौजूद रहेद्य कार्यक्रम में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजीव जायसवाल, राजेंद्र उपाध्याय हरगोविंद पचौरी, संजय सराफ, हेमंत भन्नरवार, भारत नागवंशी, पार्षद मंजू लता चौरसिया, कौशल्या बलराम ठाकुर, नरेंद्र पटेल, मुकेश खटीक सहित तीनों बड़ों के कार्यकर्ता हितग्राही बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

## सनाढ्य ब्राह्मण सभा सभा ने डाक्टर्स डे पर चिकित्सकों को सम्मानित किया

**नर्मदा समय, डॉ प्रताप सिंह वर्मा**

**इटारसी।** सनाढ्य ब्राह्मण सभा इटारसी की नवगठित कार्यकारिणी ने राष्ट्रीय डाक्टर्स डे पर चिकित्सकों के सम्मान कार्यक्रम से अपनी समाज हितैषी कार्यवाही का श्री गणेश किया। सनाढ्य ब्राह्मण सभा इटारसी के प्रतिनिधि मंडल ने संरक्षक पत्रकार दिनेश थापक के नेतृत्व में 33 वें राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय अस्पताल में पहुंचकर मरीजों को चिकित्सा सेवाएं दे रहे। अस्पताल के अधीक्षक डॉ आर के चौधरी एवं उपस्थित चिकित्सकों डॉ अर्पित त्रिवेदी, डॉ विकास जैतपुरिया, डॉ आशीष पटेल, डॉ मुकेश दीवान, डॉ नेमिका मालवीय, डॉ कृतिका चौबे डॉ प्रिंसी, डॉ उदित भट्ट, डॉ विवेक चरण दुबे, डॉ अभिषेक अग्रवाल, डॉ जैफ को पुष्प मालाएं पहनाकर सम्मानित किया एवं डॉक्टर्स डे की बधाई दी वा कोराना काल में अपनी जान की परवाह ना कर समाज को दी गई उत्कृष्ट सेवा कार्य का स्मरण कर कोटि-कोटि धन्यवाद दिया। अधीक्षक डॉक्टर आरके चौधरी ने कहा सभा की यह कार्रवाई हम चिकित्सकों की मनोबल बढ़ाने वाली है हम सभी चिकित्सक सनाढ्य ब्राह्मण सभा के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं। सभा के प्रतिनिधि मंडल में दिनेश थापक, राजकुमार दुबे, जयंत शर्मा, अनिरुद्ध चंसौरिया, घनश्याम शर्मा, चंद्रकांत शर्मा, संतोष शर्मा, सुनील पाराशर, शिवनारायण बुधौलिया, ब्रजकिशोर शर्मा, के के शर्मा आदि की उपस्थिति रही।

# बच्चों का पलायन रोकने सबको स्कूल भेजने सेवादल की यात्रा

### एक जुलाई से आमला ब्लॉक में प्रारंभ होगी शिक्षा ज्योति यात्रा गांव गांव में पंहुचेगी यात्रा

**बबलू निरापुरे नर्मदा समय**

**आमला।** शिक्षा के प्रति बच्चों को जागरूक करने ग्रामीण अंचलो में शिक्षा का स्तर सुधारने, शिक्षा को लेकर शिक्षा विभाग की खामियों को प्रशासन तक पंहुचाने हर बच्चें का नाम स्कूल में दर्ज करवाने के उद्देश्य से आमला ब्लॉक में शिक्षा ज्योंति यात्रा कांग्रेस सेवादल द्वारा निकाली जा रही है यह बात कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा ने कही। श्री मिश्रा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा ज्योंति यात्रा एक पुनित और पवित्र कार्य है हमारा उद्देश्य सभी को शिक्षित करना है। वही सेवादल के विधानसभा प्रभारी जितेन्द्र शर्मा ने कहा कि शिक्षा ज्योंति यात्रा 1 जुलाई से शुरू हो रही है यात्रा आमला ब्लॉक के अधिकांश गांव में पहुंचेगी। विशेषकर आदिवासी अंचल तथा दूरदराज के वे क्षेत्र जहां पर शिक्षा का स्तर कमजोर है। श्री शर्मा ने आगे बताया कि प्रति वर्ष सैकड़ों बच्चें आमला ब्लॉक से अपने परिजनों के साथ पलायन करते है और शिक्षा से वंचित रह जाते है हमारी यात्रा का उद्देश्य इस पलायन को रोकना है। सेवादल के शहर अध्यक्ष विजेन्द्र भावसार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में यात्रा ग्रामीण अंचलों में रहेगी। अंतिम चरण में यात्रा शहर में रहेगी, 31 जुलाई तक यात्रा लगातार प्रारंभ रहेगी। बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए हम बच्चों को शिक्षण सहयोगी सामग्री, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का सम्मान आदि कार्य भी करेंगे। सेवादल के ब्लॉक उपाध्यक्ष धन्ना यादव ने बताया कि यात्रा के दौरान हम बच्चों के पालकों को शिक्षा का महत्व समझाऐंगे, गांव गांव में चौपाल लगाई जाऐगी। आदिवासी कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश उइके ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा ज्योंति यात्रा में आदिवासी कांग्रेस की भी पूरी भागीदारी रहेगी। इस अवसर पर सेवादल के मिडिया प्रभारी राहुल चौहान, सोशल मिडिया प्रभारी प्रदीप बामने, कोषाध्यक्ष कन्हैया साहु, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

### शासन प्रशासन का दिलाया जाएगा ध्यान

सेवादल के ब्लॉक अध्यक्ष ग्रामीण महेन्द्रसिंह परमार ने बताया कि शिक्षा ज्योंति यात्रा के दौरान सेवादल बच्चों को तो शिक्षा के प्रति जागरूक करेगा ही साथ ही क्षेत्र में जो कमियां है स्कूलों में जो कमियां है उसे भी उजागर करेंगा और शासन प्रशासन का ध्यान इस ओर दिलाकर सुविधाऐं उपलब्ध करवाने का भी प्रयास किया जाएगा।

## राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**डॉ प्रताप सिंह वर्मा/ नर्मदापुरम।** राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान ओर 1 करोड़ आयुष्मान कार्ड के वितरण का लक्षित अभियान का माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुभारंभ किया गया। इसी कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत रायपुर में ग्रामसभा का आयोजन किया गया जिसमे सरपंच शशांक मिश्रा, उप सरपंच कन्छेदी, सुलेखिया, सचिव लालता प्रसाद मलैया, स्वास्थ्य कार्यकर्ता अनामिका वर्मा, वेटनरी डॉ राजेश यादव, जनसेवा मित्र अनुश्री, रोजगार सहायक सुनील जायसवाल, रामदास कहार, आशा कार्यकर्ताएं रानी, किरण, संगीता, जसोदा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं ओर ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्राम की जनता को आयुष्मान कार्ड वितरित किये गए। ग्रामसभा में सिकल सेल एनीमिया की जाँच स्वास्थ्य विभाग की अनामिका वर्मा द्वारा की गई और सिकल सेल एनीमिया के लक्षण उपचार बचाव की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को बताई गई। अनामिका वर्मा ने बताया कि सिकल सेल बीमारी एक गम्भीर बीमारी है। इसमें अचानक से खून की कमी हो जाती है और इलाज की तत्काल आवश्यकता पड़ती है। इस बीमारी से पीड़ित चिढ़चिड़ापन, बार बार बुखार आना, हाथ पैरों में दर्द, थकान और गम्भीर स्थिति में पीड़ित को स्ट्रोक ओर फेफड़े, किडनी, लिवर फेल होने का खतरा रहता है। इसलिए इस बीमारी को प्रारंभ में ही पहचान कर इसका इलाज शुरू किया जाए तो यह अगली पीढ़ी तक फैल नहीं पाती है। सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित व्यक्ति को सर्विसेज में आरक्षण का भी लाभ मिलता है। बस उसे समय समय पर जांच करवा कर अपना प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होता है। आज माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बीमारी के लिए समुचित उपचार कर सिकल सेल एनीमिया निर्मूलन के लिए अभियान का शुभारंभ कर दिया है।

## वार्ड क्रमांक 9 मेंभूमि पूजन संपन्न हुआ

**नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा**

**सिवनी मालवा।** वार्ड क्रमांक 9 में साई मंदिर गली एवं अरविंद गली में बनने वाली नाली निर्माण का भूमि पूजन संपन्न हुआ । वार्ड पार्षद सभापति ईश्वरदास जमीदार ने जानकारी देते हुए बताया कि सिवनी मालवा नगर पालिका अध्यक्ष के द्वारा शहर को स्वच्छ स्वस्थ और सुंदर बनाने के लिए तेज गति से विकास कार्य किए जा रहे हैं । उसी क्रम में आज वार्ड क्रमांक 09 में वार्डवासियों की लगभग 35 वर्ष पुरानी नाली निर्माण की मांग को आज पूरा करते हुए नई नाली निर्माण का कार्य प्रारंभ होना है। जिसका भूमि पूजन नगरपालिका के ऊर्जावान अध्यक्ष रितेश जैन रिंकू भैया के मुख्य अतिथि एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता जिला कोषाध्यक्ष सचिन अग्रवाल जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ भूमि पूजन कार्यक्रम पूजन अर्चन के साथ प्रारंभ हुआ। नगर पालिका के अध्यक्ष रितेश जैन ने कहा है कि शहर को साफ स्वच्छ और सुंदर बनाने में किसी प्रकार की कोई भी कमी नहीं रहने देंगे आने वाले दिनों में सिवनी मालवा के सभी वार्डों में और भी कई विकास कार्य को कराया जाएगा। पार्षद एवं सभापति ईश्वरदास जमीदार ने बताया कि वार्ड की जनता के द्वारा जो आशीर्वाद और विश्वास भाजपा की न.पा अध्यक्ष और पार्षदों पर दिखाया है उनकी उम्मीद और भरोसे पर हमको खरा उतरना है उसके लिए हम अपने वार्ड में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आने देंगे वार्ड मैं आवश्यक सभी विकास कार्य कराए जाएंगे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन जिला कोषाध्यक्ष सचिन अग्रवाल महिला मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष कृष्णा व्यास भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री राजवीर सिंह राजपूत न.पा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि शैलेंद्र गौर, शैलेंद्र शर्मा, कमलेश लोवंशी, पीयूष दुबे, प्रदीप काका, राजेंद्र शर्मा, सुरेंद्र लोवंशी, गोविंद प्रसाद व्यास, बंटी लोवंशी, गोपालसिंह पवार, ऋषिकांत पटवा, कपिल जमीदार, अक्षय खटी, अनिल लोवंशी, सतीश वर्मा, छोटू धपाड़िया, ठेकेदार बलवंत राजपूत, लल्लू लोवंशी, रघु राजपूत, मनीष लोवंशी, उमेश राजपूत, रामशंकर लोवंशी, सक्षम लोवंशी सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

## घटिया सामग्री से बन रहा है घाट

**आमला।** चंद्रभागा नदी पर सार्वजनिक कार्यों के लिए एवं महिलाओं के पूजा पाठ के लिए बनाए जा रहे घाट निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है बेस उखड़ गई है। घाट पर रेत गिट्टी एवं लोहे का समुचित उपयोग ना करने से घाट धस रहा है। वकील राजेंद्र उपाध्याय ने सोशल मीडिया के माध्यम से शासन का ध्यानाकर्षण कर घाट निर्माण में होने वाली अनियमितताओं की जांच की मांग की है तथा नगरपालिका अधिकारियों द्वारा कार्य की समीक्षा कार्य की देखभाल न करने के संबंध में शासन को अवगत कराया है नगर पालिका परिषद आमला द्वारा लगभग 4 लाख 50 हज़ार की लागत से घाट निर्माण कार्य किया जा रहा है जो आमजन के लिए उपयोगी होगा आम आदमी पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश अतुलकर ने भी नगर पालिका द्वारा किए गए निर्माण कार्य की अनियमितता की जांच की मांग की है।

## नर्मदा समय समाचार पत्र एवं न्यूज पोर्टल के कार्यालय का शुभारंभ हुआ

### 6 माह से नर्मदा समय न्यूज़ पोर्टल लगातार हर महीने 1 लाख से अधिक पाठकों की पसंद बना

**इटारसी/ प्रदीप गुप्ता।** नर्मदा समय समाचार पत्र का कार्यालय लाइफ लाइन भवन, शिवराजपुरी कॉलोनी, इटारसी में प्रारंभ हुआ। ज्ञात हो कि नर्मदा समय नर्मदा पुरम संभाग का तेजी से बढ़ता हुआ न्यूज़ पोर्टल एवं साप्ताहिक समाचार पत्र है, जो नर्मदा समय ग्रुप के द्वारा संचालित होता है। इसमें प्रमुख रूप से संपादक डॉ. प्रताप सिंह वर्मा के साथ नर्मदापुरम जिला ब्यूरो चीफ प्रदीप गुप्ता, बैतूल से नवील वर्मा, आमला से बबलू निरापुरे, हरदा से कुलदीप राजपूत, सिवनी मालवा से अरुण कश्यप, प्रमोद गौर, इटारसी से नितिन वर्मा, पिपरिया से डॉ. सलीम खान, टीकमगढ़ से शब्बीर खान, भोपाल एवं विदिशा से डॉ कुलदीप सिंह रायकवार द्वारा संवाददाता के रूप मे समाचारों का प्रसार किया जाता हैं। नर्मदा समय समाचार पत्र के कंपोजर जितेंद्र राठौर, कार्यालय सहायक देवेंद्र चौरे, शीशा गोस्वामी हैं। प्रकाशक, दिशा गोचर प्रेस, एमपी नगर, भोपाल एवं वेबसाइट डेवलपर, मृत्युंजय तिवारी, रैपिड डिजिटल नर्मदापुरम का कार्य प्रशंसनीय है। 6 माह से नर्मदा समय न्यूज़ पोर्टल में लगातार हर महीने 1 लाख से अधिक पाठकों का आंकड़ा पार होते आ रहा है। बता दें कि न्यूज़ नर्मदा समय की विश्वसनीय एवं सटीक खबरों की वजह से पाठकों की पहली पसंद बना है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता के आधार पर गूगल ने अपने विज्ञापनों हेतु अधिकृत किया है। इतने कम समय पर इस उपलब्धि पर नर्मदा समय समाचार पत्र के संपादक डॉ वर्मा को मित्रों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है।

## विरोधियों को हो गई है टेंशन क्योंकि रोशनी की अर्जी दरबार में हो गई है सैंक्शन

### ओरछा में आयोजित संत सम्मेलन में बोले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

**टीकमगढ़ /ओरछा।** श्री राम राजा सरकार की नगरी ओरछा में एकदिवसीय संत सम्मेलन के दौरान क्षेत्रवासियों पर जम कर संतो की कृपा वर्षा हुई, इस दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी मौजूद रहें उन्होंने कहा कि श्री रामराजा सरकार की कृपा से बुंदेलखंड की अयोध्या मूर्छा आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ संतो के आचरण से और रामराजा सरकार हनुमान जी के चरण पकड़ने से हर व्यक्ति का जीवन सफल होता है इस बात को मुखरता से पंडित धर्मेंद्र शास्त्री ने रखा। संत सम्मेलन में सभी और चर्चा बटोरी इस कथा की आयोजक रोशनी यादव ने धीरेंद्र शास्त्री ने कहा संतो और सनातन के लिए प्रतिबद्ध रहने वाली रोशनी की अर्जी स्वीकार हो गई है जिसके कारण उनके विरोधियों को दर्द हो रहा है।
उन्होंने कहा कि एक जन प्रतिनिधि के साथ साथ रोशनी सनातन संस्कृति की समर्पित सिपाही है और हिंदू धर्म की ध्वज वाहक इस बेटी को आप सभी को आगे बढ़ाते रहना है।
रोशनी यादव ने भी उपस्थित सभी संतो का आभार जताया और कहा कि संतो की कृपा से हम सभी का जीवन सफल होता है और सनातन संस्कृति के लिए आगे भी इस क्षेत्र में ऐसे आयोजन होते रहें मैं इसके लिए हमेशा प्रतिबद्ध हूं।

# आवारा मवेशियों की लड़ाई से लोग हो रहे हादसों के शिकार सड़कों पर घूम रहे जानवर

## आवारा मवेशियों से लोगों को बड़ी परेशानी

नर्मदा समय

**टीकमगढ़।** नगर में आवारा गौवंश लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। नगर के प्रमुख चौराहों और सड़कों पर बड़ी तादात में गाय, बैल खड़े रहते हैं। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। वहीं दूसरी ओर बीच सड़क पर बैलों के लड़ने से लोग हादसे का शिकार भी हो रहे हैं। शनिवार को ऐसा ही नजारा सैल सागर चौराहे पर नजर आया। यहां काफी देर तक 2 बैल बीच सड़क पर लड़ते रहे। जिससे सड़क के दोनों ओर लोग ठिठक कर रह गए।

दरअसल शहर में आवारा गाय बैलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। करीब 6 महीने पहले कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी ने नगर पालिका सीएमओ सहित जिले के सभी जनपदों के सीईओ को इस संबंध में निर्देश जारी किए थे। जिसमें नगरीय सीमा से आवारा गाय बैलों को हटाकर आसपास की गौशालाओं में शिफ्ट करने की हिदायत दी। निर्देश का पालन नहीं होने पर कलेक्टर ने दोषियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की बात भी कही। इस बात को 6 माह बीत जाने के बाद भी कलेक्टर के आदेश का पालन नहीं हुआ है। शहर में आवारा मवेशियों की स्थिति जस की तस है। गाय बैलों के बीच सड़क पर बैठे रहने से लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। बावजूद इसके नगर पालिका की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। कलेक्टर ने जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया है। वहीं दूसरी ओर आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए नगर पालिका ने कुछ दिनों तक अभियान चलाया था, लेकिन एक दो दिन बाद उसे बंद कर दिया। जिसके चलते शहर में आवारा मवेशियों की संख्या बढ़ती जा रही है।

जिलेभर में कई गौशालाओं का निर्माण अधूरा है। जिनका भुगतान नहीं हो पाने से ठेकेदारों ने काम बंद कर दिया है। जिले में दो साल से यह स्थिति बनने से पंचायतों में गौशालाएं संचालित नहीं हो पा रही है। टीकमगढ़ जिले में 103 गौशालाओं का निर्माण किया जाना है। जिसमें 45 गौशालाएं ऐसी है जो अधूरी पड़ी है।

## करीब 2000 कार्यकर्ताओं को लेकर ग्वालियर पहुंचे जितेंद्र जैन क्रांतिकारी

### आम आदमी पार्टी ने ग्वालियर में की महारैली और विशाल जनसभा

**टीकमगढ़ ।** ग्वालियर में 01 जुलाई 2023 को दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में आयोजित महारैली में टीकमगढ़ जिले से लगभग 2000 लोग सम्मलित हुए। इस बार मध्यप्रदेश में बड़े बदलाव के लिए मध्यप्रदेश के साथ साथ जिला टीकमगढ़ भी पूरा तैयार है।

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष जितेन्द्र जैन क्रांतिकारी ने बताया देश में चल रही मोदी सरकार की तानाशाही के विरोध में और मध्यप्रदेश 2023 विधानसभा चुनाव का शंखनाद और आयोजित आम आदमी पार्टी की महारैली हेतू ग्वालियर चलने के लिए आमंत्रण पत्र पर लोग शामिल हुए टीकमगढ़ जिला अध्यक्ष जितेंद्र जैन क्रांतिकारी ने सफल कार्यक्रम के लिए मध्यप्रदेश की जनता के साथ साथ टीकमगढ़ जिले के लोगो का धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि आगामी विधानसभा चुनाव का समय जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है वैसे वैसे ही राजनैतिक दल अपने-अपने क्रियाकलापों को तेज कर रहे हैं और आगामी चुनाव की तैयारियों में जुट चुके है। वहीं इसी श्रृंखला में अब आम आदमी पार्टी भी अपनी पूरी दमखम के साथ मध्यप्रदेश में उतर रही है और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस चुकी है इसी क्रम में ग्वालियर में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान ने एक महारैली का आयोजन किया और एक बहुत बड़ी जनसभा को संबोधित किया।

## पीवीसी आयुष्मान कार्ड वितरण योजना का हुआ शुभारंभ

# मंत्री पटेल बोले अब प्रत्येक गरीब का निशुल्क इलाज संभव दिया प्रधानमंत्री को धन्यवाद

हरदा। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को शहडोल में राष्ट्रीय स्तर पर सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान पीवीसी आयुष्मान कार्ड वितरण योजना का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में आयोजित कर आयुष्मान कार्ड वितरित किये गए। कार्यक्रम में कृषि मंत्री कमल पटेल ने हितग्राहियों को पीवीसी आयुष्मान कार्ड वितरित किए। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर भी किए। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत, नगर पालिका अध्यक्ष भारती राजू कमेडिया, भाजपा जिला अध्यक्ष अमर सिंह मीणा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व महेश बमन्हा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

**मंत्री जी बोले आज प्रत्येक गरीब का निशुल्क इलाज संभव:** कृषि मंत्री पटेल ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने संकल्प लिया है कि प्रत्येक गरीब का निशुल्क इलाज संभव हो सके और वे अपने इस संकल्प की ओर बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। आज प्रत्येक गरीब का इलाज आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से संभव है। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एच.पी. सिंह ने इस अवसर पर बताया कि जिले आयुष्मान कार्ड योजना के तहत कुल 329601 हितग्राही है, जिनमें से 276566 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिले में अभी तक कुल 18099 हितग्राही इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। इन हितग्राहियों के निशुल्क उपचार के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत 26.42 करोड़ रुपए स्वीकृत किए जा चुके है।

इस अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतो और नगरीय निकाय स्तर पर जन-प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पीवीसी आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए तथा पंचायत स्तर पर आयुष्मान ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया, जिसमें आयुष्मान हितग्राहियों के नाम पढ़े गए। जिले के नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई।

## खेत में अवैध रूप से गांजे के 50 पेड़ लगे हुए कीमती लगभग 52 हजार रुपए के जप्त आरोपी गिरफ्तर

नर्मदा समय

टीकमगढ़। पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन सागर प्रमोद वर्मा पुलिस उपमहानिरीक्षक छतरपुर रेंज ललित शाक्यवार पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ रोहित काशवानी, द्वारा अवैध मादक पदार्थों का परिवहन,उत्पादन, विक्रय करने वालों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया है। इसी तारतम्य में चौकी प्रभारी अस्तौन अवनीश गिरि को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की ग्राम अस्तौन में पर्वत कुशवाहा तथा रघुवर कुशवाह के खेत में अवैध रूप से गांजे के पेड़ लगे हुए हैं।

उक्त सूचना की तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ सीताराम, एसडीओपी टीकमगढ़ सुश्री प्रिया सिंधी, थाना प्रभारी कोतवाली मनीष कुमार के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी अस्तौन उप निरीक्षक अवनीश गिरी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई उक्त टीम के द्वारा गांजे के 50 पेड़ कीमती लगभग 52000 उपरोक्त आरोपियों के कब्जे से जप्त किए गए। तथा आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जिन्हें जे.आर. पर जेल वारंट पर जिला जेल रवाना किया।

उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक रामसेवक झा, प्रधान आरक्षक 173 भूपेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक 272 ब्रजकिशोर वर्मा, आरक्षक 541अनिल पचौरी, आरक्षक 630 पप्पन जाटव, आरक्षक 661 विवेक साहू, आरक्षक 525 अशोक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत सायबर सखी प्रशिक्षण संपन्न

**हरदा। कुलदीप राजपूत/** शनिवार को अशासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल द फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन हरदा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अन्तर्गत साइबर सखी प्रशिक्षण रखा गया ।कलेक्टर ऋषि गर्ग के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण में महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक प्रीति शर्मा ने प्रेजेंटेशन के माध्यम साइबर अपराध और सुरक्षा पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जैसे फ़ोन, कंप्यूटर, लैपटॉप में खराबी आने पर विश्वासनीय व्यक्ति से अपने सामने ही रिपेयर कराएं। पुराने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बेचने से पूर्व मेमोरी कार्ड का डाटा वाइप करें, फैक्ट्री रिसेट करें, जिससे कोई आपका निजी डाटा रिकवर न कर सके एवं अन्य सावधानियां विस्तार से समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम पर आधारित शिक्षाप्रद कोमल फिल्म का प्रदर्शन कर सुरक्षित स्पर्श एवं असुरक्षित स्पर्श के बारे में छात्राओं को समझाया गया तथा चाइल्ड लाइन 1098 के बारे में बताया गया।

प्रशिक्षण में स्कूली छात्राओं द्वारा नाटिका के माध्यम से साइबर अपराध के बारे में एवं उससे सुरक्षित रहने से अवगत कराया गया। इस अवसर पर हरदा जिले के डिप्टी कलेक्टर आशीष खरे, डिप्टी कलेक्टर नागु, जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. प्रजापति, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास संजय त्रिपाठी, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास रुकमणी नागवंशी उपस्थित थी। इस दौरान छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट एवं साइबर से संबंधित लिटरेचर उपलब्ध कराया गया।

# दिव्यांग बच्चों, भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों के बीच मनाया आमला सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने अपना जन्मदिन

बबलू निरापुरे नर्मदा समय

आमला। सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने अपना जन्मदिन दिव्यांग बच्चों के साथ आमला स्थित अपने नवनिर्मित निवास सह विधायक कार्यालय का शुभारंभ बैतूल हरदा हरसूद सांसद दुर्गादास उइके बैतूल जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार वरिष्ठ समाजसेवी मुकेश खंडेलवाल एवम बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियो की उपस्थिति में विधिवत पूजन के पश्चात फित्ता काट कर शुभारंभ एवम रक्तदान कर मनाया।

अपने जन्मदिन पर विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के द्वारा सर्वप्रथम द्वारा भगवान बजरंग बली के दर्शन किए एवम आमला भीम नगर स्थिति बुद्ध विहार में भगवान बुद्ध एवम बाबा साहब का पूजन कर पुष्पांजलि अर्पित करी।

### कन्या पूजन कर अशीष प्राप्त किया

तत्पश्चत विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने अपने जन्मदिन के अवसर पर हवाई पट्टी पर अपने नवनिर्मित आवास सह कार्यालय का सपात्निक विधिवत पूजन कर, भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों की उपस्थिति में दिव्यांग जनों एवम विशिष्ठ अतिथिगणों के हस्ते फीता काट कर उद्घाटन किया।

इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता पदाधिकारियों समेत सरपंच सचिव संघ, जनपद पंचायत सदस्य , अधिवक्ता संघ वरिष्ठ नागरिक समूह पत्रकार बंधुओ समेत बड़ी संख्या में सामाजिक संगठनो के द्वारा विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे को जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी जो देर शाम तक चलता रहा।

### भाजपा कार्यकर्ताओ ने उत्साह पूर्वक मनाया जन्मदिन

डॉ योगेश पंडाग्रे के जन्मदिन के अवसर पर आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र के पांचों संगठनात्मक मंडलों समेत संपूर्ण जिले से पधारे कार्यकर्ताओं के द्वारा फुल हार एवम शाल श्रीफल भेंट कर उत्साह पूर्वक जन्मदिन मनाया। वही उपनगरी बोडखी समेत आमला में कार्यकर्ताओ के द्वारा जगह जगह पर भगवा अंगवस्त्र एवम मीठा खिला कर विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे का अभिनंदन कर जन्मदिन मनाया करी।

### शुभकामनाओं के लिए जताया आभार

अपने जन्मदिन एवम निवास सह कार्यालय पर पूरे विधानसभा समेत जिले से पधारे कार्यकर्ता पदाधिकारीयो एवं इष्ट मित्रों के द्वारा सोशल मीडिया से भेजे शुभकामनाए संदेशों के लिए विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने आभार व्यक्त किया एवं क्षेत्र की जनता एवम भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों के स्नेह आशीर्वाद एवं सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करी। एवम कहा की उपस्थित समाजिक संगठनो के गणमान्य नागरिक गण एवम भाजपा मंडलों से कार्यकर्ताओं की इतनी बड़ी उपस्थिति मुझे और अधिक ऊर्जा उत्साह एवम दोहरे दायित्वो के साथ समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित कर रही है जिसके सतत निर्वहन के लिए मै सदैव प्रयत्नशील रहुगा।

### कार्यकर्ताओं ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

अपने जन्मदिन के अवसर पर डॉ योगेश पंडाग्रे ने आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ कर सर्वप्रथम रक्तदान किया । शिविर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के द्वारा रक्तदान किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष आमला गणेश यादव ,उपाध्यक्ष किशन सिंह रघुवंशी सारणी नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बर्दे भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढ़ेकर, कमलेश सिंह, रणजीत सिंह,हरी यादव सुधा चंद्रा, अशोक नागले, चिरौंजी पटेल, ओम प्रकाश मालवीय, मंडल अध्यक्ष रामकिशोर देशमुख मोहन मोरे, यदुराज रघुवंशी ,नागेंद्र निगम, यशवंत यादव, महेश मास्कोले, राजेश आहूजा अरुण जयसिंगपूरे, समेत, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी एवम समाजिक संगठन पदाधिकारी उपस्थित हुए।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-प्रताप सिंह वर्मा के लिए ''दिशागोचर प्रकाशन'', 26बी, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी.नगर, जोन-1 भोपाल से मुद्रित एवं लाइफ लाइन भवन शिवराजपुरी कॉलोनी इटारसी जिला नर्मदापुरम 461111 म.प्र. इटारसी से प्रकाशित किया। नो :- सभी विवादों के लिए न्यायक्षेत्र नर्मदापुरम जिला न्यायालय रहेगा। मोबाइल नं.:-7974372722